Sl. No.	Colliery	Country of Origin	Yr. of Commission	Current Status	Reason of Abandonment
4.	Banki (SECL)	India / France	1977	-do-	Face worked for about six years. First with flight loader and then with French (SAGEM) shearer.
5.	Surakachar (SECL)	-do-	1977	-do-	
6.	Dhemomain (ECL)	UK/ Germany	1978	-do-	Abandoned due to introduction of PSLW technology.
7.	E. Katras (BCCL)	Germany	1978	-do-	Coal transport system was not adequate.
8.	Kottadih (ECL)	Germany	1979	-do-	R&C trial multislicing was not found to be suitable.
9.	Sounda 'D' (CCL)	USSR Germany	1980	-do-	Part of face collapsed. Technology discontinued.
10.	N. Amlabad (BCCL) 1st.	UK/ German	1991	Working	
11.	N. Amlabad (BCCL) 2nd.	-do-	1993	-do-	
12.	Chinakuri (ECL)	USSR/ Germany	1977	-do-	

प्याज और आलू का निर्यात

1355. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1995 तक सरकार ने आलू और प्याज का कितनी मात्रा में निर्यात किया है और क्या सरकार ने पिछले दो महीनों (अक्तूबर-नवम्बर) के दौरान भारी मात्रा में आलू और प्याज का निर्यात किया है;

(ख) यदि हां, तो निर्यात का आधार क्या था और आलू और प्याज की अलग-अलग मात्रा क्या है और इनका किन-किन देशों को कितनी-कितनी मात्रा में निर्यात किया गया और इन निर्यातों से कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित हुई; और

(ग) इस निर्यात से इन वस्तुओं के घरेलू बाजार मूल्यों पर क्या प्रभाव पड़ा है और आलू तथा प्याज के वर्तमान मूल्यों में कमी करने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रभावी कदम उठाये गये हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्): (क) और (ख) वर्ष 1994-95 के दौरान निर्यात किए गए आलू और प्याज की कुल मात्रा तथा इससे अर्जित विदेशी मुद्रा निम्नानुसार है:—

मात्रा: एम० टी० में
मूल्य: करोड़ रु० में

	मात्रा	मूल्य
आलू (ताजे, प्रशीतित, बीज, सुखाए हुए)	15,888	13.57
प्याज (ताजी, निर्जलीकृत तथा परिरक्षित)	406,572	220.23

(स्रोत: डीजीसीआई एण्ड एस, कलकत्ता)

प्याज का निर्यात नेशनल एग्रीकल्चरल एण्ड कोआपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (नेफेड) के जरिए किया जाता है। अप्रैल से नवम्बर, 1995 के दौरान 188.26 करोड़ रु० मूल्य के 265605 एम० टी० प्याज का निर्यात हुआ है।

देशवार ब्यौरा निम्नानुसार है:—

मात्रा: एम टी में
मूल्य: लाख रु० में

	अक्तूबर		नवम्बर	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
नेपाल	1710	102.32	815	36.18
यू ए ई	7082	548.10	2626	300.79
बहरीन	354	31.04	60	7.44
अबू धाबी	519	40.18	290	32.15
सिंगापुर	4603	652.23	1917	291.07
पोर्ट केलाना	4729	383.31	2887	318.28
मलयेशिया	1322	174.41	1172	194.81
मालद्वीव	175	16.02	137	17.37
बंगला देश	4671	326.71	1038	92.18
पेओंग	3156	250.54	720	88.32
कुवैत	—	—	180	21.93
श्रीलंका	—	—	1484	164.66
कुल योग	28323	2524.86	13126	1557.16

अक्तूबर और नवम्बर 95 के दौरान आलू के निर्यात का देशवार ब्यौरा इकटठा किया जा रहा है और उसे सदन पटल पर रख दिया जायेगा।

(ग) सरकार की यह नीति है कि आम खपत को मदों के निर्यात की अनुमति इस तरह से दी जाए कि इससे खाद्य सुरक्षा व्यवस्था संकट में नहीं पड़े तथा इसके साथ-साथ ऐसे निर्यातों से घरेलू कीमतों पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़े। सरकार का यह भी उद्देश्य है कि किसानों के लाभ के लिए कृषि क्षेत्र से अधिकतम विदेशी मुद्रा अर्जित की जाए।

Impact of Banning Imports of Indian Tea

1356. SHRI MOOLCHAND MEENA:
SHRI SANJAY DALMIA:
MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the tea export has suffered due to ban on import of Indian tea by European Countries for higher residue of pesticides; and

(b) if so, the steps taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) There is no ban on import of Indian tea into European countries, on account of higher levels of pesticide residue.

(b) Does not arise.

Export of Wheat to West Asia

1357. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government are exploring the markets of West Asia for export of wheat and other foodgrains; and

(b) if so, the names of the countries to which exports are to be made and the quantity proposed to be exported?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Iran, Syria and Jordan have avinced interest to import wheat and other foodgrains from India. It is however, not possible to accurately estimate the likely quantum of exports as they would depend upon the